

प्रश्न: तुलनात्मक राजनीति की प्रकृति और महत्व की विस्तृत विवेचना कीजिए।

उत्तर:

प्रस्तावना

तुलनात्मक राजनीति राजनीति विज्ञान की एक प्रमुख शाखा है जो विभिन्न देशों की राजनीतिक प्रणालियों, संस्थाओं और व्यवहारों का तुलनात्मक अध्ययन करती है। इसका मुख्य उद्देश्य केवल विभिन्न सरकारों के ढांचे को समझना ही नहीं है, बल्कि यह भी पता लगाना है कि अलग-अलग राजनीतिक व्यवस्थाएं एक ही प्रकार की चुनौतियों पर अलग-अलग प्रतिक्रिया क्यों देती हैं। एडवर्ड फ्रीमैन के अनुसार, तुलनात्मक राजनीति राजनीतिक संस्थाओं और सरकारों के विभिन्न प्रकारों का तुलनात्मक विश्लेषण है।

तुलनात्मक राजनीति की प्रकृति

तुलनात्मक राजनीति की प्रकृति को निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से समझा जा सकता है:

1. वैज्ञानिक और विश्लेषणात्मक अध्ययन:

यह केवल वर्णनात्मक नहीं है, बल्कि यह राजनीतिक घटनाओं के पीछे के कारणों और प्रभावों का वैज्ञानिक विश्लेषण करती है। यह 'क्या है' के साथ-साथ 'क्यों है' पर भी ध्यान केंद्रित करती है।

2. व्यापक क्षेत्र:

इसकी प्रकृति अत्यंत व्यापक है। इसमें केवल औपचारिक सरकारी संस्थाओं (जैसे संसद, न्यायपालिका) का ही अध्ययन नहीं किया जाता, बल्कि अनौपचारिक तत्वों जैसे राजनीतिक दल, दबाव समूह और जनमत का भी अध्ययन किया जाता है।

3. व्यवहारवादी दृष्टिकोण:

आधुनिक समय में इसकी प्रकृति व्यवहारवादी हो गई है। अब शोधकर्ता केवल संविधान के नियमों को नहीं पढ़ते, बल्कि यह देखते हैं कि समाज में वास्तविक राजनीतिक व्यवहार कैसा है।

4. विकासशील विषय:

तुलनात्मक राजनीति एक गतिशील विषय है। जैसे-जैसे वैश्विक राजनीति बदल रही है, इसकी अध्ययन पद्धतियां भी विकसित हो रही हैं। इसमें अब विकसित देशों के साथ-साथ विकासशील और तीसरी दुनिया के देशों का अध्ययन भी अनिवार्य हो गया है।

तुलनात्मक राजनीति का महत्व

तुलनात्मक राजनीति का अध्ययन आज के वैश्विक युग में अत्यंत महत्वपूर्ण है:

1. राजनीतिक प्रणालियों की समझ:

यह हमें दूसरे देशों की सरकारों और उनकी कार्यप्रणाली को समझने में मदद करती है। इससे हमें पता चलता है कि लोकतंत्र या तानाशाही के विभिन्न रूप दुनिया में कैसे कार्य कर रहे हैं।

2. राजनीतिक सिद्धांतों का निर्माण:

तुलना के माध्यम से ही विद्वान ऐसे सिद्धांत बना पाते हैं जो वैश्विक स्तर पर लागू हो सकें। यह राजनीति विज्ञान को एक 'विज्ञान' के रूप में स्थापित करने में मदद करता है।

3. स्वयं की प्रणाली का मूल्यांकन:

जब हम अपनी व्यवस्था की तुलना दूसरों से करते हैं, तो हमें अपनी खूबियों और कमियों का बेहतर अंदाजा होता है। उदाहरण के लिए, भारत ने अपनी संसदीय प्रणाली की तुलना ब्रिटेन से करके कई सुधार किए हैं।

4. वैश्विक समस्याओं का समाधान

आतंकवाद, भ्रष्टाचार और गरीबी जैसी समस्याएं वैश्विक हैं। तुलनात्मक अध्ययन से पता चलता है कि किन देशों ने इन समस्याओं का सफलतापूर्वक सामना किया है और हम उनके अनुभवों से क्या सीख सकते हैं।

5. नीति निर्धारण में सहायक:

सरकारों के लिए यह विषय बहुत उपयोगी है। किसी नई नीति को लागू करने से पहले सरकारें अक्सर यह देखती हैं कि दूसरे देशों में उस नीति के क्या परिणाम रहे हैं।

निष्कर्ष

संक्षेप में, तुलनात्मक राजनीति केवल तुलना करने का साधन नहीं है, बल्कि यह वैश्विक राजनीति को गहराई से समझने का एक दृष्टिकोण है। इसकी प्रकृति इसे एक वैज्ञानिक आधार प्रदान करती है, जबकि इसका महत्व इसे आधुनिक शासन व्यवस्था के लिए अनिवार्य बनाता है।

Question: Discuss in detail the nature and significance of Comparative Politics.

Answer:

Introduction

Comparative Politics is a major branch of Political Science that conducts a comparative study of the political systems, institutions, and behaviors of various countries. Its main objective is not only to understand the structure of different governments but also to find out why different political systems respond differently to the same kinds of challenges. According to Edward Freeman, Comparative Politics is the comparative analysis of various forms of political institutions and governments.

Nature of Comparative Politics

The nature of Comparative Politics can be understood through the following points:

Scientific and Analytical Study:

This is not merely descriptive; it scientifically analyzes the causes and effects behind political phenomena. It focuses on 'why' in addition to 'what is'.

Broad Scope:

Its nature is very extensive. It studies not only formal governmental institutions (like Parliament, Judiciary) but also informal elements such as political parties, pressure groups, and public opinion.

Behavioral Approach:

In modern times, its nature has become behavioral. Researchers now do not just read the rules of the constitution but observe what the actual

political behavior in society is like.

Developing Subject:

Comparative Politics is a dynamic subject. As global politics changes, its study methods are also evolving. The study of developed countries, as well as developing and Third World countries, has now become essential.

Significance of Comparative Politics

The study of Comparative Politics is extremely important in today's global era:

Understanding Political Systems:

It helps us understand the governments of other countries and their functioning. It reveals how different forms of democracy or dictatorship are operating around the world.

Formulation of Political Theories:

It is through comparison that scholars are able to build theories that can be applied globally. This helps establish Political Science as a 'science'.

Evaluation of One's Own System:

When we compare our system with others, we get a better assessment of our strengths and weaknesses. For instance, India made several reforms by comparing its parliamentary system with that of Britain.

Solution to Global Problems:

Problems like terrorism, corruption, and poverty are global. Comparative study reveals which countries have successfully faced these problems and what we can learn from their experiences.

Helpful in Policy Making:

This subject is very useful for governments. Before implementing a new policy, governments often look at the results of that policy in other countries.

Conclusion

In brief, Comparative Politics is not just a means of comparison, but an approach to deeply understand global politics. Its nature provides it with a scientific basis, while its significance makes it essential for modern governance.